त्यनिष्ठा, सादगी और आत्मनिर्भरता के प्रति गांधीजी की प्रतिबद्धता ने दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

युवाओं को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

...

केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा में विपक्ष के नेता, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए

...

पूरे भारत से आये युवा प्रतिभागियों ने संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की

...

नई दिल्ली, 2 अक्तूबर, 2023: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर संसद परिसर में संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान; केंद्रीय संसदीय कार्य तथा कोयला एवं खान मंत्री, श्री प्रलहाद जोशी; राज्य सभा में विपक्ष के नेता, श्री मल्लिकार्जुन खड़गे; संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी ने भी महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर, प्राइड ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा युवा मामले और खेल मंत्रालय के समन्वय से 'अपने नेता को जानें-हमारे राष्ट्रीय नेताओं को श्रद्धांजलि देने में हमारे देश के युवाओं की भागीदारी' कार्यक्रम का आयोजन किया। देश भर के स्कूलों और कॉलेजों से चुने गए युवा प्रतिभागी इस कार्यक्रम में शामिल हुए । चयनित प्रतिभागियों

ने इन दोनों महान नेताओं के जीवन और शिक्षाओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि उन्होंने किस प्रकार भारत और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि दोनों नेता सादगी और विनम्रता के प्रतीक थे और उन्होंने दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश दिया। महात्मा गांधी की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि सत्यनिष्ठा, सादगी और आत्मनिर्भरता के प्रति गांधी की प्रतिबद्धता ने दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधीजी के अहिंसा, सत्य और न्याय के सिद्धांतों से पूरी दुनिया में सामाजिक परिवर्तन और नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलनों को प्रेरणा मिली है। महात्मा गांधी मानते थे कि सच्चा परिवर्तन केवल शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है। श्री बिरला ने 'जय जवान जय किसान' का शक्तिशाली नारा देने वाले स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधान मंत्री, भारत रत्न, श्री लाल बहादुर शास्त्री के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का यह नारा हमारे देश की रक्षा और विकास में हमारे किसानों और हमारे सुरक्षा बलों के उल्लेखनीय योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने छात्रों से महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरणा लेने और सादगी, स्वच्छता और सामुदायिक सेवा की उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

इससे पहले दिन में, लोक सभा अध्यक्ष महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि देने के लिए क्रमशः राजघाट और विजय घाट गए। श्री बिरला ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।